



Neutral Citation No. - 2026:AHC:22531-DB

उच्च न्यायालय इलाहाबाद

दाण्डिक प्रकीर्ण रिट याचिका संख्या - **29948/2025**

मुनीष गुप्ता

.....याचिकाकर्ता

बनाम

उत्तर प्रदेश राज्य एवं 2 अन्य

.....प्रत्यर्थी

याचिकाकर्ता के अधिवक्ता: प्रमोद कुमार सिंह

प्रत्यर्थी के अधिवक्ता: शासकीय अधिवक्ता

न्यायालय संख्या - 45

माननीय राजीव गुप्ता, न्यायमूर्ति

माननीय अचल सचदेव, न्यायमूर्ति

1. याचिकाकर्ता के विद्वान अधिवक्ता एवं राज्य के विद्वान अपर शासकीय अधिवक्ता को सुना तथा मामले के अभिलेख का अवलोकन किया।
2. शुरुआत में ही, राज्य के विद्वान अपर शासकीय अधिवक्ता ने यह इंगित किया है कि वर्तमान मामले में विवेचना पहले ही पूरी हो चुकी है और याचिकाकर्ता के विरुद्ध आरोप-पत्र भी दाखिल किया जा चुका है।
3. याचिकाकर्ता के विद्वान अधिवक्ता उक्त तथ्यों का खंडन नहीं कर सके, किंतु उन्होंने यह कथन किया कि वह इस रिट याचिका पर जोर नहीं देना चाहते हैं और उचित स्तर पर उचित मंच से संपर्क करने की स्वतंत्रता के साथ इसे वापस लेना चाहते हैं।
4. दिए गए कथन के आलोक में, यह रिट याचिका उपर्युक्त स्वतंत्रता के साथ वापस लिए जाने के आधार पर खारिज की जाती है।
5. सुसंगत दस्तावेजों की प्रमाणित प्रति, यदि कोई हो, नियमानुसार याचिकाकर्ता के विद्वान अधिवक्ता को वापस कर दी जाए।

(अचल सचदेव, न्यायमूर्ति) (राजीव गुप्ता, न्यायमूर्ति)

फरवरी 2, 2026

एन.यू.

अस्वीकरण

"अनुवादित निर्णय वादी के समझने हेतु है और इसका किसी अन्य उद्देश्य के लिए प्रयोग नहीं किया जा सकता है। सभी कानूनी और सरकारी उद्देश्यों के लिए, निर्णय का मूल संस्करण ही मान्य होगा।"